न्यूज डायरी

दुनिया दक्षिणी चीन सागर में चीनी सेना ने किया युद्धाभ्यास, भड़का अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से लगभग निजात पा चुके चीन ने दोबारा अपने सामरिक और युद्धक रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। जहां अमेरिका समेत दुनिया के कई बड़े देश कोरोना के संक्रमण को रोकने में विफल साबित हो रहे हैं वहीं चीनी सरकार ने मौका देखकर दक्षिणी चीन सागर के विवादित क्षेत्र में युद्धपोतों, पनडुब्बियों और लड़ाकू विमानों के साथ बड़ा सैन्य अभ्यास किया। इस क्षेत्र में अमेरिका भी अपने युद्धपोत भेजता रहता है। चीनी सेना ने ऐंटी शिप, ऐंटी सबमरीन और ऐंटी एयरक्राफ्ट गनों के साथ समुद्र में बड़े पैमाने पर अभ्यास किया। इससे चीन का मकसद क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना था। इसके अलावा चीनी नौसेना ने फ्लीट के नेविगेशन को लेकर भी अभ्यास किया। चीन के इस अभ्यास की अमेरिका समेत कई देशों ने निंदा भी की है।

चीन ने एन–95मास्क, ग्लव्स, गॉगल पर किया कब्जा, अब मांग रहा पैसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। कोरोना महासंकट से दुनिया की आधी आबादी जूझ रही है। इस महामारी की चपेट में आकर अब तक 82 हजार ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और 14 लाख लोग इससे संक्रमित हैं। कोरोना महामारी की शुरुआत चीन के वुहान शहर से हुई थी और उसकी भूमिका को लेकर विश्वभर में संदेह के बादल उमड़ रहे हैं। इस बीच कोरोना महासंकट में चीन की भूमिका को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। अमेरिकी अखबार थीपोचटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने कोरोना संकट शुरू होने पर दुनियाभर के बाजार से एन–95, मेडिकल प्रॉटेक्टिव सूट, गॉगल्स, कीटाणुनाशक, सर्जिकल ग्लव्स, ऑक्सीजन मशीन और मेडिकल वेंटिलेटर को दान के बहाने या पैसा देकर खरीद लिया। ये सभी चीजें कोरोना के मरीजों के इलाज और डॉक्टरों तथा पैरामेडिकल स्टाफ के लिए बेहद जरूरी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी महीने में किलर कोरोना वायरस के संक्रमण बढ़ने पर चीन के अधिकारियों ने विश्वभर के बाजारों से अरबों मास्क और सैकड़ों टन मेडिकल उपकरण खरीद लिए थे।

स्पेन में फिर बढ़ीं मौतें, कब्रिस्तानों में हर 15 मिनट में पहुंच रही एक लाश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैड्रिड। स्पेन में कोरोना वायरस से रोजाना मरने वालों का औसत आंकड़ा मंगलवार को 743 तक पहुंच गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस संक्रमण से मरने वालों की कुल संख्या 14,045 हो चुकी है। स्पेन की तस्वीरें भयावह हैं। वायरस ने इस देश में मौत का ऐसा मंजर खड़ा किया है कि हर ओर लाशों का ढेर है। मजबूरी ऐसी है कि लोग अपनों के अंतिम संस्कार में भी नहीं जा सकते हैं। हालात ये हैं कि देश के सबसे बड़े कब्रिस्तान ला अल्मुडेना जो कि मैड्रिड में है वहां हर 15 मिनट पर एक लाश को जलते हुए देखा जा सकता है, जिसकी मौत कोरोना वायरस के संक्रमण से हुई है। इस अंतिम संस्कार में 5 से ज्यादा लोगों के शामिल होने की अनुमति भी नहीं है। इटली के बाद स्पेन दूसरा ऐसा देश है जहां कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

न्यूजीलैंड पीएम ने लॉकडाउन तोड़ने वाले मूर्ख हेल्थ मिनिस्टर का किया डिमोशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन के प्रतिबंधों को तोड़ने वाले स्वास्थ्य मंत्री का डिमोशन कर दिया। स्वास्थ्य मंत्री डेविड क्लार्क अपने परिवार के साथ कार ड्राइवर करते हुए समुद्र तट पहुंच गए थे जो कि लॉकडाउन का सीधा उल्लंघन है। हालांकि, डेविड ने अपनी गलती स्वीकार कर खुद को श्मूर्खश की संज्ञा दे डाली। उधर, पीएम जेसिंडा आर्डर्न को ने उन्हें पद से तो नहीं हटाया है लेकिन उनकी कैबिनेट रैंकिंग कम कर दी है। डेविड ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और माना कि इस दौरान परिवार को घरों में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस पद पर वह हैं उन्हें लोगों के लिए बेहतर उदाहरण पेश करना चाहिए था।

पीएम मोदी ने प्रभु हनुमान की तरह पहुंचाई संजीवनी बूटी

ब्राजील व अमेरिका में पीएम मोदी का गुणगान

प्रसंशा

बोल्सोनारो ने कोरोना को बताया था सामान्य फ्लू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ब्राजील व अमेरिका के राष्ट्रपति बोल्सानारो ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। ब्राजील के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना भगवान हनुमान से की और भेजी गई दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को संजीवनी बूटी बताया है।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को हनुमान बताते हुए कोविड–19 के इलाज के लिए भारत से भेजी गई मलेरिया की दवा 'हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन' को संजीवनी बूटी बताया है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन मिलने के बाद प्रधानमंत्री को महान कहा है। बता दें कि अब तक 30 देशों ने भारत सरकार से इन दवाओं की मांग कर चुके हैं।

कोरोना वायरस के मरीजों पर प्रभावी मानी जा रही मलेरिया रोधक दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को लेकर भारत सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इस दवा पर लगे निर्यात से आंशिक तौर पर प्रतिबंध हटा दिया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन और पैरासिटामोल दवाओं के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को आंशिक तौर से हटा दिया है। मानवीय आधार पर यह फैसला लिया गया है। ये दवाएं उन देशों को भेजी जाएंगी, जिन्हें भारत से मदद की आस है।

पीएम मोदी के लिए बोल्सोनारो का पत्रः प्रधानमंत्री मोदी को भेजे अपने पत्र में राष्ट्रपति जायर एम बोल्सोनारो ने लिखा है कि भगवान राम के भाई लक्ष्मण की जिंदगी बचाने के लिए हिमालय से दवा (संजीवनी बूटी) लेकर आने वाले भगवान हनुमान और बीमारों को स्वस्थ करने वाले यीशु मसीह की तरह भारत और ब्राजील मिलकर इस वैश्विक संकट का सामना करेंगे।

बता दें कि शुरुआत में ब्राजील के राष्ट्रपति ने कोरोना वायरस के संक्रमण को सामान्य फ्लू बताया था। उन्होंने स्वयं सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का उल्लंघन कर ब्राजीलिया में बाहर निकल अपने समर्थकों से मुलाकात की और अर्थव्यवस्था को गति देने की अपील की। सोशल मीडिया के ट्विटर प्लेटफॉर्म पर भी उन्होंने कई विवादित पोस्ट किए जो बाद में हटा लिया गया था। देश के विभिन्न प्रांतों के गवर्नर और शहरों के मेयर द्वारा घोषित क्वारंटाइन पर सवाल खड़ा किया।

राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने कहा, यदि इसी तरह चलता रहा तो इससे बेरोजगारी बढ़ेगी और आने वाले समय में कई और मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। ब्राजील रुक नहीं सकता। अगर ऐसा हुआ तो हम वेनेजुएला बन जाएंगे। एक अन्य पोस्ट में कहा, कुछ लोग चाहते हैं कि मैं भी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए घर में रहूं, लेकिन यह जीवन है। एक दिन सबको मर जाना है।

डोनाल्ड ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ की फंडिंग पर लगाई रोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। कोरोना वायरस की सही समय पर चेतावनी नहीं देने से भड़के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ के फंडिंग पर रोक लगा दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि डब्ल्यूएचओ दुनियाभर में जारी कोरोना महामारी को लेकर चीन केंद्रीत हो गया है। उन्होंने कहा कि हम डब्ल्यूएचओ को दी जानी धनराशि को रोकने जा रहे हैं।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, हम डब्ल्यूएचओ को दी जाने वाली धनराशि को रोकने जा रहे हैं। हम इस पर बेहद कठोर तरीके से रोक लगाने जा रहे हैं। हम इसे देखेंगे। अगर यह काम करता है तो यह बहुत चीज होगी। अगर यह काम करता है तो बहुत अच्छी बात होती। लेकिन जब वे हर कदम को गलत कहते हैं तो यह अच्छा नहीं है।

ट्रंप ने कहा, हम डब्ल्यूएचओ के बजट का सबसे ज्यादा हिस्सा देते हैं। डब्ल्यूएचओ ने हमारी आलोचना की और जब मैंने यात्रा पर रोक लगाई तब उन्होंने इसकी आलोचना की थी। वे गलत थे। वे कई मामलों को लेकर गलत थे। उनके पास शुरू में बहुत में सी सूचना थी। वे नहीं चाहते थे... वे बहुत ज्यादा...ऐसा लगता है कि वे चीन केंद्रीत हो गए हैं।

कहीं घने बादलों में छिपा, कहीं शहर को रोशनी में नहलाता दिखा पिंक मून

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) फ्रांस। सुपरमून यानी सबसे बड़ा चांद। साल में एक दिन चांद पृथ्वी के सबसे नजदीक होता है। साहित्य में खूबसूरती की मिसाल कहे गए चांद की छटा में भी इस खास दिन चार चांद लग जाते हैं और यह इतना सुंदर दिखता है कि इसे देखने वाला इसके नजारे को चाहकर भी भुला नहीं सकता। 7 अप्रैल की आधी रात के बाद दुनियाभर में सुपरमून के ऐसे ही नजारे देखने को मिले। जर्मनी में चांद कुछ यूं दिखा कि एक साइकलिस्ट के युवा मन को खींच लिया और वहीं बैठने को मजबूर कर दिया। फ्रांस के स्ट्रैसबर्ग में क्राइस्ट की फिगर के पीछे दिखा सुपरमून होली वीक में ब्लेसिंग देता सा नजर आया।

न्यूयॉर्क शहर में मृतकों की संख्या 3,200 के पार, 9/11 अटैक से भी अधिक हताहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस के प्रकोप से न्यूयॉर्क शहर में मरने वाले लोगों की संख्या 3,200 के आंकड़े को पार कर गई। यह संख्या्या 9/11 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले में मारे गए लोगों की संख्या से भी अधिक है। उधर, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन आईसीयू में भर्ती हैं, जो संभवतरू दुनिया के पहले प्रमुख नेता हैं, जो इस वायरस से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। दुनियाभर में वायरस का प्रकोप बढ़ रहा है और अब तक 75,500 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं संक्रमण के 13.5 लाख से ज्यादा मामलों की पुष्टि हुई हैं, जो इस ठीक होने के बाद भी कोरोना शरीर के अंदर छिपा रहता है बात की चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। न्यूयॉर्क और यूरोप के कुछ हिस्सों में संकट को कम करने के लिए कई कदम एठाए जा रहे हैं। हालांकि स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे किसी तरह की ढिलाई न बरतें और पूरी सावधान रहें।

वुहान शहर में 76 दिनों के बाद लहकडाउन हटाः इस बीच चीन के वुहान शहर में 76 दिनों के बाद लॉकडाउन को अंततरू हटा दिया गया, जहां से कोरोना वायरस का प्रकोप शुरू होकर पूरी दुनिया में फैल गया। कोविड–19 से न्यूयॉर्क शहर में कम से कम 3,202 लोगों की मौत हुई है। अमेरिकी धरती पर हुए सबसे घातक आतंकी हमले 9/11 में शहर के 2,753 लोग और कुल 2,977 लोग मारे गए थे, जब 11 सितंबर, 2001 को आतंकवादियों ने विमानों का अपहरण कर उन्हें पेंटागन के दो टावरों से टकरा दिया और एक विमान पेंसिल्वेनिया के एक क्षेत्र में गिरा था। न्यूयॉर्क राज्य के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने कहा कि राज्य में कोरोना वायरस से एक दिन में 731 मौतें हुई हैं, जिससे राज्यभर में मरने वाले लोगों की कुल संख्या करीब 5,500 पहुंच गई जो अभी तक एक दिन में हुई सबसे अधिक मौतें है।

अमेरिका में मरने वालों की संख्या 12,000 को पार कर गई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। न्यूयॉर्क राज्य के गवर्नर ने कहा कि एक दिन में हुई इतनी मौतें जरूर भयावह लग सकती हैं, लेकिन पहले की तुलना में इस हफ्ते अस्पताल में भर्ती हुए लोगों की संख्या कम है। कुओमो ने कहा, 'सोशल डिस्टेंसिंग काम कर रहा है।' पूरे अमेरिका में कोविड–19 से मरने वालों की संख्या 12,000 को पार कर गई है, जबकि करीब 3,80,000 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। वायरस के चपेट में आने वाले सबसे घातक हॉट स्पॉट में डेट्रायट, न्यू ऑरलियन्स और न्यूयॉर्क महानगरीय क्षेत्र के साथ ही लॉन्ग आइलैंड, न्यूजर्सी और कनेक्टिकट के कई हिस्से शामिल हैं।

न्यूजर्सी में 1,200 से अधिक मौतें हुई हैं, उनमें से अधिकांश उत्तरी काउंटी के हैं जहां से कई लोग न्यूयॉर्क शहर में आते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन लंदन के एक अस्पताल में भर्ती हैं। अधिकारियों ने बताया कि 55 वर्षीय जॉनसन की हालत स्थिर है और होश में हैं, उन्हें ऑक्सीजन लगायी गयी, लेकिन उन्हें वेंटिलेटर पर नहीं रखा गया है। इस दौरान उनके कार्यभार के संचालन के लिए विदेश मंत्री डॉमिनिक राब को नामित किया गया है।